पेपर रेट पर उबला गत्ता उद्योग संघ

कीमतें कम करने के लिए 14 को की जाएगी हड़ताल

दिव्य-हिमाचल 7 फरवरी

स्टाफ रिपोर्टर, बद्दी

प्रदेश व देश की पेपर मिलों की मनमानी व कथित धक्केशाही के चलते हिमाचल के सभी गत्ता उद्योग अपने कारखानों में एक दिन की हड़ताल रखेंगे और राज्य तथा केंद्र सरकारों को एक ज्ञापन भी देंगे। हिमाचल प्रदेश गत्ता उद्योग संघ की प्रांतीय बैठक में आम सहमति से यह निर्णय लिया, जिसमें बीबीएन के अलावा कालाअंब, परवाणू, ऊना, सोलन व पावंटा सहिब के उद्यमियों ने भाग लिया। पेपर के रेट में पांच से छह रुपए बढ़ोतरी एंव स्टिचिंग वायर में 40 प्रतिशत रेट बढ़ाना, मजदूरी, एवं गम में रेट बढ़ाने के कारण अब गत्ता उद्योग अपने ग्राहकों को आपूर्ति करने में असमर्थ हो गया है। बीबीएन गत्ता उद्योग संघ के महासचिव सुरेंद्र जैन ने बताया कि उपरोक्त तथ्यों के कारण यह तय किया गया है कि 14 फरवरी को हिमाचल के सभी गत्ता उद्योग अपने कारखानों में पेपर मिल्स की मनमानी के विरोध में अपने उद्योग बंद रखेंगे और सभी उद्योगपति इकट्ठे होकर रोष प्रकट करेगें तथा 21 फरवरी को यदि रेट न बढ़े, तो फिर दो दिन यही कार्यक्रम रहेगा। हिमाचल गत्ता उद्योग संघ के प्रधान सरदाना ने कहा कि यदि हालात सामान्य नहीं हुए, तो हम इस समस्या में देश के सभी गत्ता उद्योगों को भी शामिल करके अपनी यूनिट को बंद करेंगे। हिमाचल प्रदेश के प्रांतीय उपप्रधान मुकेश जैन व बीबीएन के जरनल सेक्रेटरी सुरेंद्र जैन ने बताया कि उत्तराखंड की लगभग 75 से ज्यादा फैक्टरियां भी हमारे साथ मिलकर इस आंदोलन में आने को तैयार हैं। परवाणू इकाई के वाइस प्रेजिडेंट गगन कपूर ने बताया कि जबकि मुंबई, वापी व नागपुर से लगभग 200 पेपर मिल्स हैं, वहां पर भी पेपर मिल्स ने वेस्ट मैटीरियल में रेट बढ़ने के कारण मात्र दो रुपए ही बढ़ाए हैं और उनके पेपर की क्वालिटी भी अच्छी है। उन्होंने हिमाचल सरकार से अनुरोध है कि हिमाचल में 5-6 पेपर मिल्स हैं, उनसे कहें कि वह इस समय हिमाचल गत्ता उद्योग की मदद करें अन्य कई बड़े और छोटे कारखाने तालाबंदी को मजबूर हो जाएंगे।